भारत और सेनेगल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय उपराष्ट्रपति ने सेनेगल का दौरा किया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान, युवा मामलों में सहयोग तथा वीज़ा मुक्त शासन के लिये तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये।

- दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

यात्रा की मुख्य विशेषताएँ:

- **वीज़ा मुक्त व्यवस्था:**
  - पहला समझौता ज्ञापन राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिये वीज़ा-मुक्त शासन से संबंधित है जो अधिकारियों/राजनयिकों की निर्बाध यात्रा के माध्यम से दोनों देशों के बीच सहयोग को मज़बूत करेगा।
- **सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम:**
  - वर्ष 2022-26 की अवधि के लिये सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (CEP) समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया गया।
  - CEP के नवीनीकरण के साथ अधिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान संभव होगा, जिससे लोगों से लोगों के बीच संपर्क मज़बूत होगा।
- **युवा मामलों में द्विपक्षीय सहयोग:**
  - यह स्वीकार करते हुए कि भारत और सेनेगल दोनों में अपेक्षाकृत अधिक युवा आबादी है, यह समझौता ज्ञापन सूचना, ज्ञान, अच्छी प्रथाओं एवं युवा आदान-प्रदान के माध्यम से दोनों देशों के लिये पारस्परिक रूप से लाभप्रद होगा।
- **व्यापार का विविधीकरण:**
  - कोविड-19 महामारी के बावजूद पिछले एक वर्ष के दौरान भारत-सेनेगल व्यापार 37% की वृद्धि के साथ 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। भारत ने विशेष रूप से कृषि, तेल, गैस, स्वास्थ्य, रेलवे, खनन, रक्षा, हरित ऊर्जा आदि के क्षेत्रों में व्यापार विविधता लाने का आह्वान किया।
  - सेनेगल सेभारत द्वारा आयात किये जाने वाले **फॉस्फेट की बड़ी मात्र को देखते हुए भारतीय कंपनियाँ, विशेष रूप से भारी उपकरण (जैसे क्रेन, बुलडोज़र आदि)** बनाने वाली कंपनियाँ, इस क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता की पेशकश कर सकती हैं।
- **उद्यमिता प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र का उन्नयन:**
  - सेनेगल की राजधानी डकार में उद्यमिता प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र (CEDT) के उन्नयन के चरण II को मंज़ूरी दी गई।
  - CEDT को भारतीय अनुदान सहायता के तहत वर्ष 2002 में डकार में स्थापित किया गया था और हर साल लगभग 1000 युवा, मुख्य रूप से सेनेगल और **19 अन्य अफ्रीकी देशों में स्थित केंद्र में छह अलग-अलग विषयों में प्रशिक्षित** होते हैं।

- **भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग:**
  - सेनेगल, एक फ़्रांसीसी भाषी देश है जो **अंग्रेज़ी भाषा में चलने वाले ITEC (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) के तहत विभिन्न प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों** का लाभ उठाने में सक्षम नहीं है, अतः भारत ने सेनेगल के लोक सेवकों हेतु अंग्रेज़ी प्रशिक्षण पर 20 व्यक्तियों के लिये एक विशेष ITEC पाठ्यक्रम की पेशकश की है।
- **ई-विद्या भारती और ई-आरोग्य भारती पहल:**
  - यह स्वीकार करते हुए कि कई अफ्रीकी छात्र उच्च अध्ययन हेतु भारत आते हैं, भारत ने सेनेगल के छात्रों को लाभान्वित करने के लिये ई-विद्या भारती और ई-आरोग्य भारती (E-VBAB) पहल (टेली-एजुकेशन एवं टेली-मेडिसिन) को लागू करने हेतु सेनेगल के साथ सहयोग करने की घोषणा की है।
- **हिरासत में लिये गए भारतीय नागरिकों का मुद्दा:**
  - भारत ने चार भारतीय नागरिकों, जहाज़ एम.वी. एसो(**Asso**)-6, के चालक दल के सदस्यों जिन्हें कथित मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में जून 2021 में सेनेगल में गिरफ्तार कर लिया गया था, की रिहाई के संबंध में सेनेगल सरकार से शीघ्र कार्रवाई करने का अनुरोध किया है ताकि वे अपने परिवार के पास वापस लौट सकें।
- **भारत की स्थायी UNSC सदस्यता:**
  - भारत की स्थायी UNSC सदस्यता के लिये सेनेगल के समर्थन की सराहना करते हुए भारत ने अफ्रीका के साथ अपने अटूट समर्थन की पुष्टि की जैसा कि **एज़ुलविनी सर्वसम्मति** और **सिरते घोषणा** में निहित है तथा अफ्रीकी महाद्वीप के साथ हुए अन्याय को सुधारने की आवश्यकता को रेखांकित किया।
    - एज़ुलविनी सर्वसम्मति (2005) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और संयुक्त राष्ट्र के सुधार पर एक स्थिति है, जिस पर अफ्रीकी संघ द्वारा सहमति व्यक्त की गई है।
- **गुटनिरपेक्ष आंदोलन:**
  - भारत ने **गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM)** को फिर से उर्जावान एवं सक्रिय करने और इसे विकासशील देशों के लिये प्रासंगिक समकालीन मुद्दों के प्रति अधिक प्रतिक्रियाशील बनाने का आह्वान किया।
  - भारत ने **सीमा पार आतंकवाद** के खतरे से निपटने के लिये इसे महत्त्वपूर्ण बताते हुए संयुक्त राष्ट्र के तहत **अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय (CCIT)** को शीघ्र अपनाने के लिये सेनेगल के समर्थन की मांग की।
- **अफ्रीकी संघ की अध्यक्षता:**
  - भारत ने सेनेगल के अफ्रीकी संघ का अध्यक्ष बनने पर उसे बधाई दी।

भारत-सेनेगल संबंधों के प्रमुख बिंदु:

- **राजनीतिक संबंध:**
  - दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध **1962 में डकार में एक निवासी भारतीय मिशन** के साथ राजदूत स्तर पर स्थापित किये गए थे।
  - दोनों देश **लोकतंत्र, विकास और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों** को साझा करते हुए मधुर और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध रखते हैं।
  - वे दोनों गुटनिरपेक्ष आंदोलन, G-15 और **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** के सदस्य हैं।
    - जी -15 को अनिवार्य रूप से दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने के लिये डिज़ाइन किये गए एक आर्थिक मंच के रूप में की गई थी।
- **वाणिज्यिक संबंध:**
  - भारत से निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में कपड़ा, खाद्य पदार्थ, ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं। सेनेगल से आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएँ फॉस्फोरिक एसिड और कच्चा काजू हैं।
- **विकास सहायता कार्यक्रम:**
  - भारत ने कृषि और सिंचाई, परिवहन, ग्रामीण विद्युतीकरण, मात्स्यिकी, महिला गरीबी उपशमन, सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण और उपस्कर, चिकित्सा, रेलवे आदि जैसे क्षेत्रों में सेनेगल को ऋण की सीमाओं का विस्तार किया है।
  - भारत ने सेनेगल को **लिथियम-आयन बैटरी के साथ 250 ई-रिक्शा की आपूर्ति की।**
- **सांस्कृतिक सहयोग:**
  - वर्ष 2019 में सेनेगल में आयोजित कुछ भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में तिरिंगा 3.0, सेनेगल, डकार में भारत महोत्सव का तीसरा संस्करण शामिल है; तिरिंगा होली, **योग का चौथा अंतर्राष्ट्रीय दिवस** और 150वें महात्मा गांधी जयंती समारोह से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम।
  - भारत **10 ICCR (भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद) छात्रवृत्तियाँ भी प्रदान करता है।**
- **भारतीय डायस्पोरा:**
  - यहाँ भारतीय समुदाय की संख्या लगभग 500 है। उनमें से ज़्यादातर भारतीय कंपनियों के लिये काम कर रहे हैं, जिनमें भारत द्वारा दी गई लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाली कंपनियाँ भी शामिल हैं, तथा कुछ अपना स्वयं का व्यवसाय चला रहे हैं।

स्रोत : पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-and-senegal